पीएम मित्र पार्क से अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

धार, 17 सितंबर. बदनावर के भैंसोला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है. धार की धरती पर बनने वाले देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार मिलेगा.

यह पार्क पूरे मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देगा और यहां होने वाले निवेश से प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करेगी. मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत भी लिखेगा. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कपड़ा उद्योग से ही देश के विकास को नई मजबूती मिलेगी. पीएम मित्र पार्क देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नए ट्रांसफार्मेशन की राह खोलेगा. हम देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने जा रहे हैं और इनके जरिए हम भारत को विश्व का टेक्सटाईल-हब बनाएंगे.

इन पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि कि महेश्वरी साड़ी मध्यप्रदेश की पहचान रही है. धार में पीएम मित्र पार्क के माध्यम से हम देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं. मप्र में उच्च कोटि का कपास उपलब्ध है. पीएम मित्र पार्क से कपड़ा उद्योग की वैल्यू चैन इसी जगह उपलब्ध होगी. उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में धार पूरे देश में चमकने वाला है. फाइव-एफ विजन - फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन और फैशन से फॉरेन पर काम जारी है. इस पार्क के निर्माण से मध्यप्रदेश में 3 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे. मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक आसान होगी. इससे हमारे प्रोडक्ट सस्ते बनेंगे और किसानों और कारीगरों को अधिक लाभ मिलेगा.

➡ धार की धरती हमेशा से पराक्रम और प्रेरणा की रही है

प्रधानमंत्री ने कहा कि धार की धरती हमेशा से पराक्रम और प्रेरणा की रही है. महाराजा भोज का शौर्य हमें राष्ट्र रक्षा के लिए डटे रहने की सीख देता है. महर्षि दधीचि का त्याग हमें मां भारती की सेवा के लिए प्रेरणा देता है.

➡ गरीब, किसान, नारी और युवा विकसित भारत के स्तंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम 140 करोड़ लोगों ने विकसित भारत का संकल्प लिया है. इसके चार प्रमुख स्तंभ है. गरीब, किसान, नारी और युवा. आज इन चारों स्तंभों को नई मजबूती देने का काम हुआ है. इस आयोजन में नारी शक्ति का बहुत ध्यान रखा गया है. धार से यह कार्यक्रम देशभर की माताओं के लिए हो रहा है. यहां से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार महा-अभियान का शुभारंभ हुआ है. आज मध्यप्रदेश की भूमि से देशभर में आदि सेवा पर्व शुरू हो रहा है, जो जनजातीय वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ेगा. आज विश्वकर्मा जयंती पर देश के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क का शिलान्यास हुआ है. इससे क्षेत्रीय किसानों को उनकी कपास सहित अन्य उपजों का सही मूल्य मिलेगा. युवाओं को भरपूर रोजगार मिलेगा. प्रदेश के औद्योगिक अभियान को गति मिलेगी.

➡ हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है. घर में मां ठीक रहे, तो पूरा घर ठीक रहता है. मां बीमार हो जाए, तो पूरे परिवार की व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं. इसीलिए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान माताओं बहनों के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित है. हमारी कोशिश है कि एक भी महिला गंभीर बीमारी का शिकार न हो. उन्होंने कहा कि नारियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है. यह अभियान 2 अक्टूबर विजय दशमी तक निरंतर चलेगा. माताएं-बहनें थोड़ा समय अपने स्वास्थ्य के लिए भी निकालें. माताएं-बहनें हमारी प्राथमिकता हैं. गर्भवती महिलाओं के लिए आज आठवें राष्ट्रीय पोषण माह की भी शुरुआत हो रही है। विकसित होते भारत में हमें मातृ और शिशु मृत्युदर कम करना है.

➡ जनजातीय अंचल में पीएम का जन्मदिन मनाना सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी अपना जन्मदिवस मध्यप्रदेश के जनजातीय अंचल में मना रहे हैं और कई सौगातें लेकर आए हैं. दुनिया के सबसे लोकप्रिय नायक मोदी ने गरीब अंचल के लिए समय निकाला, यह उनके प्रेम की अभिव्यक्ति है. राजा भोज के संस्कारों से समृद्ध ऐतिहासिक नगरी धार प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से हर्षित हो उठी है.

➡ पार्क के मॉडल और स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित धार के पीएम मित्र पार्क का मॉडल देखा और उसकी खूबियों को जाना. साथ ही स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने शिविर में मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर उपचार संबंधी जानकारी भी ली. प्रधानमंत्री को जनजातीय परम्परानुसार तीर-कमान भेंट किया और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया.

अमरकंटक बिजली यूनिट ने बनाया रिकॉर्ड

लगातार 350 दिन तक संचालित होने में सफल

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 सितंबर. मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट लगातार 350 दिन तक संचालित होने में सफल हुई.

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के इतिहास में यह प्रथम विद्युत उत्पादन यूनिट है जिसने लगातार 350 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड स्थापित किया. इस बात की पूरी संभावना है कि अगले 15 दिन में यह यूनिट लगातार 365 दिन का सतत् व निर्बाध विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाएगी.

अमरकंटक ताप विद्युत 210 मेगावाट क्षमता की यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है. इससे पूर्व इस यूनिट ने इस यूनिट ने 27 अगस्त 2023 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया था. इस यूनिट के सतत् बिजली उत्पादन करने से प्रदेश की बिजली की आपूर्ति को विश्वसनीय बनाने के पावर जनरेटिंग कंपनी के उद्देश्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है. 210 मेगावाट की यूनिट ने जिस समय 350 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित किया तब इसने विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया. यूनिट ने 98.71 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 95.97 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 9.18 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन की उपलब्धि हासिल की.

नगरीय निकायों में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा शुरू

भोपाल. संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के निर्देश पर प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा शुरू हो गया है. पखवाड़े के दौरान नगरीय निकायों को प्रतिदिन निर्धारित विषयवार कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. इसके लिये नगर निगम आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये हैं. बुधवार 17 सितम्बर को नगरीय निकायों में उन स्थलों का चयन कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां नागरिकों की आवाजाही ज्यादा होती है. इसके अलावा सुलभ कॉम्पलेक्स में प्रबंधकों को सफाई व्यवस्था रखे जाने के लिये आवश्यक निर्देश दिये गये.

जीआरपी की कार्रवाई : 20 लाख की चांदी जब्त

इटारसी, 17 सितम्बर. त्योहारों के मद्देनजर जीआरपी पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान में जीआरपी को बड़ी सफलता मिली है.

जीआरपी की टीम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एक बैग से लगभग 15 किलो चांदी जप्त की जिसकी कीमत 20 लाख रुपए बताई जा रही है. हालांकि पुलिस को देखकर बदमाश देख छोड़कर भाग गया. मामले में पुलिस ने फिलहाल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू. त्योहारों को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार जीआरपी द्वारा रेलवे स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. मंगलवार शाम जीआरपी को सूचना मिली थी कि कोई व्यक्ति अवैध रूप से एक बैग में सोने चांदी के जेवरात की खेप लेकर आ रहा है. मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जीआरपी थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व प्रधान आरक्षक संतोष पटेल, सतीश मौर्य को मिलाकर एक टीम गठित की गई थी. टीम ने रेलवे ब्रिज पर एक युवक को संदेह के आधार पर एक युवक को रोकने का प्रयास किया परंतु पुलिस को देखकर अपने पास रखा बिट्ठू एक छोड़कर भीड़ में शामिल होकर भाग निकला. जब जीआरपी की टीम ने उक्त बैग की तलाशी ली तो उनके भी होश उड़ गए.

पुलिस को देख बैग छोड़कर भागा था बदमाश

बैग में लगभग 15 किलो चांदी के जेवरात रखे हुए थे जिनकी कीमत 20 लाख रुपए बताई जा रही है. थाना प्रभारी संजय चौकसे ने बताया कि फिलहाल आभूषणों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है.

वोकल फॉर लोकल | प्रदेश में पीएम की घोषणा के बाद तत्काल अमल भी शुरू

पीएम की अपील के बाद अब स्वदेशी बनेगा आंदोलन

▸ **दुकानों पर स्टीकर लगेंगे कि यहां मिलता है स्वदेशी सामान**

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 सितंबर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये पहले ही वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया था.

इस बीच अमेरिका से टैरिफ वार के बीच प्रधानमंत्री ने एक बार फिर स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी करने की अपील नागरिकों से की. इस अपील को प्रधानमंत्री ने बुधवार को मप्र की धरती से फिर दोहराया, जब उन्होंने

धार जिले के बदनावर विधानसभा के भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क के शिलान्यास के दौरान संबोधन दिया. पीएम की इस अपील ने तत्काल असर दिखाना शुरू कर दिया है. भाजपा अब स्वदेशी की मुहिम को एक कार्यक्रम के बजाय आंदोलन की शक्ल देने जा रही है, जिसमें हर घर जाकर लोगों को स्वदेशी सामान खरीदने के लिये पैरवी करेगी. इधर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने तो बुधवार से ही इस मुहिम की शुरुआत कर दी. उन्होंने दुकान-दुकान जाकर स्टीकर लगाये, जिसमें लिखा था कि यहां पर स्वदेशी सामान मिलता है. स्वदेशी को बढ़ावा देने और दुकानदारों को स्वदेशी के प्रति जागरूक करने के मकसद से बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद बाजार में निकले. वीडी शर्मा ने कटनी के बाजार में दुकानों पर स्टिकर लगाए.

> इसी क्रम में अब प्रदेश भाजपा के बड़े पदाधिकारी भी इसे केवल एक रस्मी अभियान के बजाय जन आंदोलन बनाने की मुहिम में जुट गये हैं, जिससे कि प्रदेश के लोग ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी सामानों की खरीदने के लिये प्रोत्साहित हो. वैसे सेवा पखवाड़ा के लिये भाजपा संगठन ने जो कार्यक्रम तय किया है, उसके हिसाब से दो अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भाजपा के नेता और कार्यकर्ता खादी की वस्त्रों की खरीदी करेंगे और आम लोगों को स्वदेशी सामानों की खरीदी के लिये प्रेरित करेंगे. प्रदेश में 15 सितंबर से सेवा पखवाड़ा शुरू हो गया है जो कि 2 अक्टूबर तक चलेगा. बताया जा रहा है कि अब सेवा पखवाड़ा के बाद भी प्रदेश में स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिये दुकानों में स्टीकर लगाने का काम शुरू होगा. इसके लिये ग्राहकों को जागरूक करने के लिये बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी कार्यक्रम होंगे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद की मंशानुसार के अनुसार उन्होंने दुकानदारों से आह्वान किया कि वह अपने घर की दुकान के बाहर यहां स्वदेशी सामान मिलता है का बोर्ड लगाए. शर्मा ने खुद व्यापारियों के साथ मिलकर दुकानों के बाहर बोर्ड लगाए और स्टीकर चिपकाए.

पेज एक का शेष

आनुवांशिक विविधता चिंता का विषय

ऐसे छोटे समूहों में आनुवांशिक आदान-प्रदान सीमित हो जाता है, जिससे इनब्रीडिंग का खतरा बढ़ जाता है और समय के साथ बाघों की शक्ति और अस्तित्व पर असर पड़ सकता है.

वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि इनब्रीडिंग से बाघों की आनुवांशिक विविधता घट जाती है, जिससे वे रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं. इसके अतिरिक्त जन्मजात विकृतियाँ, शारीरिक असामान्य ताएं, प्रजनन क्षमता में कमी और प्रजाति के अस्तित्व पर संकट जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं. अम्बाडे ने यह भी बताया कि बीते समय में अंधाधुंध शिकार और ट्रॉफी हंटिंग ने बाघों की संख्या में भारी कमी लाई थी, जिससे आनुवांशिक संतुलन बिगड़ गया. उन्होंने कहा, आज संख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन बाघों के आनुवांशिक स्वास्थ्य का संरक्षण करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है.

यदि विविधता बनाए नहीं रखी गई, तो बढ़ती संख्या के बावजूद बाघों का भविष्य असुरक्षित रहेगा. विशेषज्ञ मानते हैं कि आधुनिक संरक्षण रणनीतियों में केवल शिकारियों से बचाव ही नहीं, बल्कि बाघों की आनुवांशिक विविधता को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. इसके लिए अभयारण्यों के बीच वन्यजीव गलियारे विकसित करना, अलग-अलग क्षेत्रों से बाघों का स्थानांतरण करना और वैज्ञानिक स्तर पर आनुवांशिक स्वास्थ्य की निगरानी करना आवश्यक कदम माने जाते हैं. मध्यप्रदेश के कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा और पन्ना जैसे प्रसिद्ध अभयारण्य न केवल भारत बल्कि विश्व स्तर पर बाघ संरक्षण के लिए मिसाल बने हुए हैं. यहाँ की सक्रिय रणनीतियां— चाहे वह शिकार-रोधी गश्त हो या स्थानीय समुदायों की भागीदारी — इस सफलता की आधारशिला रही हैं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14